भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3315
गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई संपर्क का विस्तार

3315. श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि नए विमानपत्तनों की स्थापना और क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना से देश में हवाई संपर्क में काफी सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उड़ान योजना के अंतर्गत हवाई संपर्क में वृद्धि का आर्थिक गतिविधियों और पर्यटन पर प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) सरकार द्वारा देशभर में विशेषकर राजस्थान में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार का उड़ान योजना के अंतर्गत प्रचालन करने वाली विमान कंपनियों के लिए वित्तीय प्रोत्साहनों और अवसंरचना सहायता में वृद्धि करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-'उड़ान') के तहत, 88 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (13 हेलीपोर्टों और 02 वाटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले 625 आरसीएस मार्ग (53 पर्यटन आरसीएस मार्ग सहित) प्रचालनरत किए गए हैं। आरसीएस-'उड़ान' के माध्यम से यात्रा करने वाले कुल घरेलू यात्रियों की संख्या 149 लाख से अधिक है, जो आज की तारीख तक 2.97 लाख आरसीएस उड़ानों को जोड़ती है। ये विकास कार्य क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

(ख) आरसीएस-'उड़ान' योजना पर निम्नलिखित अध्ययन किए गए हैं जिनमें हवाई यात्रा की वहनीयता को भी शामिल किया गया है:

1. इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) द्वारा "क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' - प्रगति और संभावनाएं" रिपोर्ट, (2021-22)

2. डीएमईओ नीति आयोग द्वारा योजनाओं का मध्यावधि मूल्यांकन "क्षेत्रीय संपर्क योजना का मूल्यांकन अध्ययन" (2023-24)

'उड़ान' योजना क्षेत्रीय और दूरस्थ संपर्क को बढ़ाने में सफल रही है। 'उड़ान' योजना ने दूरदराज के क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति प्रदान की है और देश भर में आर्थिक गतिविधियों में अधिक न्यायसंगत और समावेशी विकास में योगदान दिया है। इसने औद्योगिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों से बेहतर कनेक्टिविटी के साथ व्यवसायों को बढ़ावा दिया है और व्यापार को अधिक कुशल बनाया है।

(ग) 'उड़ान' योजना के तहत, राजस्थान में बीकानेर, किशनगढ़ और जैसलमेर में आरसीएस हवाईअड्डों को प्रचालनरत किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, राजस्थान राज्य में विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए श्रीगंगानगर हवाईअड्डे की भी पहचान की गई है।

(घ) और (ङ) 'उड़ान' योजना के तहत केंद्र सरकार, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा रियायतों के माध्यम से चयनित एयरलाइन प्रचालकों (एसएओ) को सहायता प्रदान करके क्षेत्रीय मार्गों पर परिचालन की लागत को कम करने और अंतर को पूरा करने के लिए वित्तीय (व्यवहार्यता अंतर निधि या वीजीएफ) सहायता प्रदान करते हुए क्षेत्रीय हवाई संपर्क की वहनीयता को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है। आरसीएस सीटों पर हवाई किराया, जिस पर चयनित एयरलाइन प्रचालकों (एसएओ) को 3 वर्ष की अवधि के लिए वीजीएफ प्रदान किया जाता है, सब्सिडी दर पर सीमित होता है, और प्रत्येक तिमाही में अनुक्रमित किया जाता है।

*****